वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 73 | मंगलवार 11 जुलाई 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

18 जुलाई से धरना देंगे नर्सेज कर्मचारी

11 सूत्री मांगे नहीं मानने पर 23 अगस्त को जयपुर में निकालेंगे बड़ी रैली; एसएमएस हॉस्पिटल के सभागार में हुई प्रांतीय बैठक में किया निर्णय

जयपुर. कासं। वेतन विसंगतियां दूर करने और ठेका प्रथा पर भर्ती बंद करने की मांग को लेकर जयपुर समेत प्रदेशभर के नर्सेज 18 जुलाई से जिला मुख्यालया पर धरना देंगे। इसके साथ ही 23 अगस्त को जयपुर में एक बड़ी रैली निकालेंगे, जिसमें 40 हजार से ज्यादा नर्सेज शामिल होंगे। जयपुर के एसएमएस हॉस्पिटल के सभागार में आज महासभा में ये निर्णय किया गया। राजस्थान नर्सेज संयुक्त संघर्ष समिति की प्रांतीय महासभा प्रांतीय संयोजक प्यारेलाल चौधरी, राजेंद्र राना, नरेंद्र सिंह शेखावत समेत अन्य पदाधिकारियों के नेतृत्व में हुई। संघर्ष समिति के संयोजक चौधरी ने बताया कि 18 मई से नर्सेज कर्मचारी शांतिपूर्ण तरीके से जयपुर में सरकार का ध्यानाकर्षण आंदोलन कर रहे है और अपनी 11 सूत्रीय मांगों पूरी करने के लिए कह रहे है, लेकिन सरकार की ओर से इन पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा। इससे नाराज होकर सभी ने राज्यभर में संयुक्त संघर्ष समितियों का गठन कर आंदोलन की रणनीति तय की। संघर्ष समिति के महासचिव कैलाश शर्मा ने बताया कि राज्य में नर्सेज को बिहार, उत्तरप्रदेश जैसे राज्यों की तुलना में ही मूल वेतन प्रतिमाह 7100 से 22700 कम मिल रहा है। हाल ही में की गई बजट घोषणा में नए नियमों से राज्य के अन्य समकक्ष संवर्गों से भी नर्सेज को 2 से 3 पे स्टेप कम मिल रहा है। नर्सिंग कर्मचारियों को सरकार की ओर से न तो वर्दी भत्ता दिया जाता है और न हार्डड्यूटी भत्ता दिया जाता।

भाजपा की विजय संकल्प बैठक

पूरे प्रदेश में परिवर्तन यात्राएं होंगी; 1 अगस्त को जयपुर में बड़े प्रदर्शन की तैयारी

जयपुर. कासं

सवाई माधोपुर में भाजपा के दिग्गज नेताओं की दो दिवसीय विजय संकल्प बैठक का समापन हुआ जिसमें राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इस दौरान चुनावी जंग जीतने पर चर्चा हुई। बैठक में भाजपा के दिग्गजों को जीत के मंत्र का पाठ पढ़ाया गया। भाजपा की इस चिंतन बैठक को विजय संकल्प का नाम दिया गया। बैठक का प्रमुख एजेंडा विधानसभा चुनावों में भाजपा की जीत की रूपरेखा तय करना था। वहीं सवाई माधोपुर में बैठक आयोजित करने के पीछे भी पूर्वी राजस्थान को फोकस करने के तौर पर देखा जा सकता है। पूर्वी राजस्थान में पिछले विधानसभा चुनावों में भाजपा का सफाया हो गया था। यहां से भाजपा ने केवल 1 सीट जीती थी। धौलपुर से भाजपा के टिकट पर जीती शोभारानी कुशवाह ने राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस के पक्ष में क्रॉस वोटिंग कर दी थी। ऐसे में उन्हें भाजपा से निष्कासित कर दिया गया था।

प्रदेश में होंगी परिवर्तन यात्राएं, 1 अगस्त को जयपुर में बड़ा प्रदर्शन

भाजपा की विजय संकल्प बैठक में बड़ा निर्णय लिया गया। इस दौरान चर्चा में प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों से परिवर्तन यात्राएं निकालने की बात की गई जिसमें सामूहिक नेतृत्व पर यात्राएं आयोजित होंगी। इसमें कांग्रेस के खिलाफ हर स्तर पर आंदोलन करने का निर्णय किया गया। विजय संकल्प बैठक में राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष ने बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत किए जाने पर चर्चा की। साथ ही प्रत्येक बूथ पर नए कार्यकर्ताओं को जोड़े जाने पर चर्चा हुई। वहीं बैठक में आगामी 1 अगस्त को राजधानी जयपुर में सरकार के खिलाफ बड़े प्रदर्शन की घोषणा भी की गई।

नेताओं ने किए त्रिनेत्र गणेश मंदिर के दर्शन

इससे पहले रविवार को सवाई माधोपुर पहुंचे नेताओं ने त्रिनेत्र गणेश मंदिर में दर्शन किए। रविवार शाम को प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी, प्रदेश संगठन महामंत्री चंद्रशेखर, प्रभारी अरूण सिंह व केन्द्रीय मंत्री कैलाश चौधरी ने त्रिनेत्र गणेश मंदिर में दर्शन किए। वहीं सोमवार सुबह पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, सांसद किरोड़ीलाल मीणा, पूर्व भाजपा अध्यक्ष सतीश पूनिया ने त्रिनेत्र गणेश मंदिर में दर्शन किए।

जयपुर आएंगे बॉलीवुड सिंगर कुमार सानू, अलका याग्निक

जेईसीसी में अपना सिंगिंग टैलेंट दिखाएंगे देश-दुनिया से चुने डॉक्टर्स, फिल्मों में गाने का भी मिलेगा अवसर

जयपुर. कासं। देश-दुनिया से अलग-अलग राउंड ऑडिशन होने के बाद चुने गए डॉक्टर्स अपनी सिंगिंग परफॉर्मेंस देंगे और उन्हें जज करेंगे बॉलीवुड सिंगर पद्मश्री कुमार सानू, अल्का याग्निक, जतिन पंडित, पद्मश्री अहमद और मोहम्मद हुसैन। मौका होगा आगामी 28 जुलाई को जयपुर में होने वाला दुनिया का सबसे बड़ा डॉक्टर्स सिंगिंग इवेंट इटर्नल वॉइस ऑफ डॉक्टर्स का। सोमवार को इटर्नल हॉस्पिटल में आयोजित हुए कार्यक्रम में इस इवेंट के ऑर्गेनाइजर्स ने इवेंट का अपडेट दिया गया। इटर्नल वॉइस ऑफ डॉक्टर्स के ऑर्गेनाइजिंग चेयरमैन डॉ. जितेंद्र सिंह मक्कड़ और ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेटरी एवं संयोजक डॉ सौरभ

जैन, इटर्नल हॉस्पिटल की को-चेयरपर्सन मंजू शर्मा, सीईओ प्राचीश प्रकाश, पद्मश्री उस्ताद अहमद हुसैन और मोहम्मद हुसैन, न्यूरोकेयर हास्पिटल के डायरेक्टर डॉ एन सी पूनिया, एसएमएस के गैस्ट्रो विभाग के हेड डॉ. संदीप निझावन और इटर्नल वॉइस ऑफ डॉक्टर्स के म्यूजिक मेंटर डॉ. गौरव जैन एवं रवीन्द्र उपाध्याय शामिल हुए।

नेशनल ऑनलाइन ऑडिशन में चुने गए 375 प्रतिभागी

इटर्नल वॉइस ऑफ डॉक्टर्स के ऑर्गेनाइजिंग चेयरमैन डॉ. जितेंद्र सिंह मक्कड़ ने बताया कि अब तक स्टेट ऑनलाइन ऑडिशन पूरे हो गए हैं, जिसमें से 125 प्रतिभागी तीनों कैटेगिरी (40 वर्ष उम्र से कम, 40 से 55 और 55 वर्ष से अधिक उम्र) नेशनल राउन्ड के लिए चयनित किए गए हैं, जो नेशनल राउंड के लिए क्वॉलीफाई किए हैं। इनका 26 जून से 13 जुलाई तक वापस ऑनलाइन कॉन्टेस्ट हो रहा है। उनमें से बेस्ट 10 सिंगर चुने जाएंगे, जो 29 जुलाई को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर के मुख्य ऑडिटोरियम होने वाले प्री फिनाले के लिए क्वॉलीफाई होंगे। ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेटरी एवं संयोजक डॉ सौरभ जैन इसमें खास बात यह रहेगी कि जो बाकी प्रतिभागी प्री फिनाले के लिए क्वॉलीफाई नहीं कर पाए, उनके लिए राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में 28 जुलाई को वाइल्ड कार्ड एंट्री रखी है। वहां अलग-अलग ऑडिटोरियम में तीनों कैटेगिरी के सिंगर्स जूरी के सामने परफॉर्मेंस देंगे। वहां से तीन बेस्ट सिंगर प्री फिनाले के लिए चुने जाएंगे। इससे तीनों कैटेगिरी में 13-13 सिंगर्स हो जाएंगे।

चातुर्मास मंगल कलश स्थापना समारोह में उमड़े श्रद्धालु

चातुर्मास आराधना का पर्व है संतो ओर श्रावको की आस्था का केन्द्र है- मुनि शुद्ध सागरजी महाराज

विमल जोला.शाबाश इंडिया

निवाई। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में रविवार को मुनि शुद्ध सागर महाराज ससंघ के सान्निध्य में चातुर्मास मंगल कलश स्थापना कायकृम बड़ी धूमधाम से आयोजित किया गया। चातुर्मास कमेटी के प्रवक्ता विमल जौंला ने बताया कि सर्वप्रथम बिचला जैन मंदिर में प्रातः भगवान की शांतिधारा के साथ कलशाभिषेक किया गया। इसके बाद बैंड-बाजे के साथ जैन संत शुद्ध सागर महाराज को कार्यक्रम स्थल संत निवास में लाया गया। जहां पर चातुर्मास मंगल कलश स्थापना का कार्यक्रम आयोजित किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ ललिता जैन के मंगलाचरण से किया गया एवम चित्र अनावरण किया गया दीप-प्रज्वलित सकल दिगम्बर जैन समाज द्वारा किया गया।इसके बाद मंगलाचरण धर्म प्रभावना महिला मण्डल ने नृत्य के साथ शानदार प्रस्तुती दी। कार्यक्रम में विशुद्ध वर्धनी महिला मण्डल ने लघु नाटिका की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का मंच संचालन पंडित प्रदीप शास्त्री ललितपुर ने किया। इसके बाद सकल दिगम्बर जैन समाज निवाई द्वारा मुनि शुद्ध सागर जी महाराज को श्री फल भेंट कर मंगल चातुर्मास कलश स्थापना के लिए निवेदन किया। जौंला ने बताया कि मंगल कलश स्थापना कार्यक्रम में प्रथम मंगल कलश मुलचन्द त्रिलोक चन्द जैन पाण्डया हरभगतपूरा ने स्थापित किया। दुसरा सम्यक दर्शन मंगल कलश अमित कुमार दिव्य कुमार सेठिया महुआ ने स्थापित किया। तीसरा मंगल कलश ज्ञान चन्द अजय कुमार सौगानी ने स्थापित किया।चौथा मंगल कलश राजेश कुमार नरेश कुमार जैन पाटनी जौला ने स्थापित किया। पांचवा मंगल कलश हेमचन्द विनोद कुमार पवन कुमार हर्षित संघी ने स्थापित किया। इसके साथ 21 मंगल कलश ओर स्थापित किए गये। चातुर्मास स्थापना समारोह का ध्वजा रोहण प्रमुख उद्योगपति श्रेष्ठी अशोक कुमार सुशील कुमार जैन कटारिया

सरोज जैन प्रभा जैन कटारिया ने किया। मुनि श्री का पादप्रक्षालन टोडारायसिंह नगरपालिका के पूर्व चेयरमैन सन्त कुमार जैन मूल चन्द त्रिलोक चन्द राजेश जैन चिन्टू जैन अनिता जैन पाण्डया हरभगतपुरा परिवार को गुरु के चरण प्रक्षालन करने का सोभाग्य मिला। जिनवाणी भेट घाटोल परिवार व जिनवाणी महिला मण्डल ने किया। इसी प्रकार सुनील भाणजा व हितेश छाबड़ा ने बताया कि सहस्त्र कूट विज्ञा तीर्थ पर गणिनी आर्यिका विज्ञा श्री माताजी के सानिध्य में चातुर्मास मंगल कलश स्थापना हुई जिसमें समाजसेवी लोकेश जैन दीप्ति जैन कोटा ने प्रथम कलश स्थापित करने का सोभाग्य मिला। जिसमें महेंद्र चंवरिया विष्णु बोहरा महावीर प्रसाद पराणा सुनील भाणजा योगेन्द्र जैन मनोज पाटनी हितेश छाबड़ा सहित कई लोग मौजूद रहे।चातुर्मास मंगल कलश स्थापना के दौरान जैन संत शुद्ध सागर जी महाराज ने कहा कि चातुर्मास एक पव है जिसमें संत और श्रावक एक स्थान पर रहकर ईश्वर की आराधना करते हैं तप,ध्यान करते है चातुर्मास ही एक मात्र ऐसा पव है जो श्रावको को संतो से जोड़ता है जिसमें आराधना करने से ईश्वर को प्राप्त किया जा सकता है जो अपनी श्रद्धा और आराधना से संभव है।यह पव आराधना का महापव है संतो और श्रावको की आस्था का केन्द्र है। उन्होंने कहा कि चातुर्मास का पावन पव धम के संस्कारो का पव है जिसमें प्रत्येक श्रावक गुरुओ का सान्निध्य प्राप्त कर संस्कारो को अपने मन में भरता है जिससे वह अपने आने वाली पीढ़ी को भी संस्कारित करता है।चातुर्मास ऐसा पव है जिसमें सभी बड़े बुजुर्ग,महिला,पुरूष और बच्चे संतो का सान्निध्य प्राप्त करते है और धम के माग को प्रशस्त करते है। इस अवसर पर जिला प्रमुख सरोज बंसल नगर पालिका अध्यक्ष दिलिप ईसरानी उपाध्यक्ष जितेन्द्र चवरियां नितिन छाबडा हेमचन्द संघी ज्ञान चन्द सौगानी हितेश छाबड़ा नेमीचंद सिरस शिखर चन्द काला नवरत्न टौंग्या राजेश जौला हर्षित संघी विमल सोगानी मनीष झिलाय त्रिलोक हरभगतपूरा पिंकू सौगानी पुनीत संघी मुकेश संधी प्रेमचंद सोगानी अशोक बिलाला सोभागमल सोगानी नरेश हथौना अतुल ठोलिया त्रिलोक रजवास यश जैन राजेन्द्र सेदरिया पदम टोंग्या सहित धर्म प्रभावना महिला मंडल महिला मंडल नसियां मंदिर महिला मण्डल जिन श्री महिला मण्डल चन्द्रप्रभु महिला मण्डल विशुद्र वर्दिनी महिला मण्डल सहित अनेक लोग मौजूद दे।

मृत्यु को महोत्सव मे तभी बदल सकते हैं। जब हमारे मन के विकार दूर होंगे : महा साध्वी धर्मप्रभा

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

चैन्नई। मृत्यु को महोत्सव तभी बनाया जा सकता हैं। जब मनुष्य के मन के विकार दूर होगें। सोमवार को महासाध्वी धर्मप्रभा ने एस.एस. जैन भवन साहुकार पेठ में श्रावक - श्राविकाओं को धर्मसंदेश प्रदान करतें हुए कहा कि मनुष्य के सर पर मौत का साया मंडरा रहा हैं ।फिर भी वह मन के विकारों को दूर नही करता हैं ।जबकि मनुष्य यह सब जानता हैं,कि उसके जीवन का प्रत्येक पल कम हो रहा हैं,और मृत्यु उसके समीप आने वाली हैं। फिर भी वह जान करके भी अंजान बन रहा है। आज तक इस दुनिया में ऐसा कोई इंसान पैदा नहीं हुआ जिसे जन्म लेने के बाद मौत नही आई हो ।इंसान के जन्म के वक्त से ही उसकी मृत्यु का समय निरर्धारित हो जाता हैं। किन्तु मौत का बुलावा कब आयेगा यह कोई नहीं बता सकता है। लेकिन मानव चाहें तो अपनी मृत्यु को महोत्सव बना सकता हैं। वह

तभी संभव हो पाएगा जब व्यक्ति मन के विकारों और मोह का परित्याग कर लेगा ।तभी मृत्यु के भय से छुटकारा पाकर मौत को महोत्सव में बदल सकता हैं। साध्वी स्नेहप्रभा ने उत्तराध्ययन सूत्र का वांचन करते हुए कहा कि संसार असार हैं। यहाँ कुछ भी स्थिर नहीं है। इंसान मोह भरी नींद में जीवन व्यतीत कर रहा है। यदि मृत्यु का बुलावा आने से पहले व्यक्ति जग जाये तो ससार सें हंसते- हंसते विदा होकर मृत्यु को सहज और सरल बना सकता है। आंख बंद हो जाये और इच्छाएं शेष रह जाए वह मृत्यु है,और इच्छाए समाप्त हो जाए और जीवन शेष रह जाए वह मोक्ष हैं। जिसने परमात्मा के नाम का आसरा ले लिया समझ लो उस प्राणी ने मौत को महोत्सव मे बदल दिया। इस दौरान धर्मसभा में तपस्वी बहन रेखा कोठारी अंतिमा कोठारी ने गुरूणीमय्या धर्मप्रभा जी म.सा से नो उपवास के प्रत्याख्यान लिए जिनका साहुकार पेठ संघ के अध्यक्ष एम अजितराज कोठारी, कार्याध्यक्ष महावीर चन्द सिसोदिया,एन राकेश कोठारी, सुरेश डूगरवाल, हस्तीमल खटोड़, महावीर कोठारी, बादल चन्द कोठारी, जितेन्द्र भंडारी, शांति लाल दरणा अशोक कांकरिया,शम्भूसिंह कावड़िया सुभाष काकलिया, आदि पदाधिकारियों और महिला मंडल की बहनों ने तपस्वी बहनों का चुंदड़ी माला मोमेंटो देकर स्वागत अभिनन्दन किया गया।

कलश साधु और श्रावक के बीच सेतु का काम करता है : आचार्य विनिश्चयसागर

बिना बोली लगाए, गुरु भक्तों ने की मंगल कलश स्थापना

मनोज नायक. शाबाश इंडिया

भिण्ड। चातुर्मास कलश रखना या स्थापित करना कोई आगम सम्मत व्यवस्था नहीं हैं, कोई प्राचीन व्यवस्था नहीं हैं ।यह तो एक वर्तमान की व्यवस्था हैं जो हमारे आचार्य श्री महावीर कीर्ति से शुरू हुई थी ।जिसके पीछे आचार्य श्री की भावना यह थी कि चतुर्मास तो साधु करता है लेकिन साधु के साथ साथ श्रावक को भी उससे लाभ होना चाहिए ।चातुर्मास में कलश वह माध्यम है जिससे श्रावक अपने आपको चातुर्मास से जुड़ा हुआ महसूस करता है। उक्त विचार आचार्य श्री विनिश्चयसागर जी महाराज ने चातुर्मास कलश स्थापना समारोह के अवसर पर ऋषभ सत्संग भवन बताशा बाजार भिण्ड में धर्मसभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। गुरुदेव आचार्य श्री विनिश्चयसागर ने चातुर्मास का महत्व बताते हुए कहा कि

जैन धर्म में चातुर्मास का सामाजिक और धार्मिक महत्व तो है ही, व्यक्ति और समाज को एक सूत्र में पिरोने का भागीरथ प्रयत्न भी है । चातुर्मास एक परिभाषिक शब्द है । वषार्काल के चार माह साधु साध्वियाँ संकल्प पूर्वक एकही स्थान पर रुककर स्वयं तो आत्मकल्याण हेतु साधना करते ही हैं साथ ही श्रावकों को भी धर्म साधना हेतु प्रेरित करते हैं । चातुर्मास का मूल ध्येय जीव दया अहिंसा धर्म का पालन करना होता है ।वषार्काल में जीवोत्पत्ति विशेष रूप से असीमित संख्या में होती है ।बरसात की बजह से भूमि में दबे हुए असंख्यात जीव बाहर आ जाते हैं जिससे पद विहार में अत्यधिक जीव हिंसा की आशंका रहती है। जैन शास्त्रों में भी स्पष्ट निर्देश हैं कि वषार्काल के चार माह तक साधु साध्वियों को अन्यत्र कहीं भी विहार न करते हुए संकल्प पूर्वक एक ही स्थान पर रूककर धर्म साधना करना चाहिए। पूज्य गुरुदेव आचार्य श्री विनिश्चय सागर महाराज के संघस्थ मुनिश्री नेमीसागर महाराज, मुनिश्री प्रांजुलसागर महाराज, मुनिश्री प्रवीरसागर महाराज, मुनिश्री प्रत्यक्षसागर महाराज, मुनिश्री प्रज्ञानसागर महाराज, मुनिश्री अनंगसागर महाराज, मुनिश्री प्रसिद्धसागर महाराज, क्षुल्लक श्री प्रमेशसागर महाराज भी चातुर्मासरत रहेंगे। श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन चैत्यालय, बताशा बाजार भिण्ड में मंगलाचरण के साथ वर्षायोग मंगल कलश स्थापना समारोह का शुभारंभ हुआ ।बाहर से आए हुए अतिथियों द्वारा चित्र अनावरण एवम दीप प्रज्वलित किया गया। समारोह के दौरान प्रथम कलश धर्मेन्द्र कुमार जैन, नवीन जैन, हैप्पी जैन (भिण्ड वाले) भजनपुरा दिल्ली, द्वितीय कलश राकेश कुमार रोचिम जैन ललितपुर, तृतीय कलश सुनील कुमार जैन (मोनू) बरायठा सागर को स्थापित करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। पूज्य आचार्य श्री का पाद प्रक्षालन परम मुनिभक्त राजेंद्रकुमार प्राशु ऋषि जैन रायपुर एवम त्रलोकचंद श्रीमती मंजू जैन विजयवाड़ा (आंध्र प्रदेश) ने किया ।ज्ञान दान के रूप में शास्त्र भेंट करने का सौभाग्य संजय जैन ज्योति जैन काला कोलकाता एवम संदीप जैन राजू आयुषी जैन खंडवा को प्राप्त हुआ। इस पुनीत एवम पावन अवसर पर मुरेना, ग्वालियर, मुरार, लश्कर, मेहगांव, मालनपुर, करनाल, कोलकाता, खंडवा, टीकमगढ़, ललितपुर, सागर, दरगुवा, दिल्ली, गाजियाबाद, अंबाह, पोरसा, गोरमी दिल्ली, झांसी सहित सम्पूर्ण भारत वर्ष से सैकड़ों की संख्या में गुरुभक्त उपस्थित थे।

वेद ज्ञान

आत्मनिवेदन से बड़ा कोई बल नहीं

आत्मनिवेदन से बड़ा कोई दूसरा बल नहीं है। जब मनुष्य सच्चे मन से आत्मनिवेदन करता है तो उसके जीवन के सभी कष्ट दूर हो जाते हैं। आत्मनिवेदन में मनुष्य को ईश्वर से कष्टों को सहने की शक्ति मांगनी चाहिए। स्वामी विवेकानंद अपने गुरु रामकृष्ण परमहंस के पास पहुंचकर यह शिकायत करने लगे कि यदि पढ़-लिखकर वे भी औरों की तरह पैसा कमाते तो आज अपनी बीमार मां की अच्छे से देखभाल कर पाते, लेकिन इस आध्यात्मिकता से उन्हें क्या मिला? गुरु ने उनसे कहा कि तुम्हें जो चाहिए वह तुम काली मां से मांग सकते हो। विवेकानंद काली मां के पास गए, लेकिन कुछ मांगे ही वापस आ गए। जब गुरु ने उनसे पूछा कि तुमने काली मां से कुछ मांगा क्यों नहीं तो वे बोले कि मैं मांगना भूल गया। गुरु ने उनसे कहा कि वे फिर से काली मां के पास जाएं और इस बार मांगना बिल्कुल न भूलें, लेकिन विवेकानंद ने इस बार भी कुछ नहीं मांगा तो गुरु ने उन्हें फिर से जाने को कहा। तीसरी बार भी विवेकानंद ने कुछ नहीं मांगा और अपने गुरु से बोले कि मैं किसी से क्यों मांगू। तब गुरु ने कहा कि यदि आज तुमने काली मां से कुछ मांग लिया होता तो उसी समय मेरा नाता तुमसे खत्म हो जाता, क्योंकि मांगने वाला नहीं जानता कि यह जीवन क्या है। मनुष्य को कभी भी स्वयं के लिए ऐसी सोच नहीं बनानी चाहिए कि मैं परेशान, कमजोर, दुखी या शक्तिहीन हूं। जब भी मनुष्य को ऐसा लगे उसे आत्मनिवेदन करना चाहिए। शास्त्रों के अनुसार मनुष्य के भीतर ही ईश्वर वास करता है। इसे सच्चे आत्मनिवेदन के बाद ही जाना जा सकता है। आत्मनिवेदन में मनुष्य अपनी समस्त इंद्रियों पर विजय प्राप्त कर सकता है और जिसकी अपनी इंद्रियों पर पकड़ है, वही ईश्वर है। राजकुमार सिद्धार्थ के जन्म के बाद एक भविष्यवक्ता ने घोषणा की कि यह बालक चक्रवर्ती सम्राट बनेगा, लेकिन इसमें वैराग्य भाव उत्पन्न हो गया तो इसे बुद्ध होने से कोई नहीं रोक सकता। राजा अपने पुत्र को चक्रवर्ती सम्राट बनते हुए देखना चाहते थे इसलिए उन्होंने राजकुमार सिद्धार्थ के चारों ओर भोग-विलास के तमाम प्रबंध कर दिए, लेकिन एक दिन वसंत ऋतु में राजकुमार सिद्धार्थ सैर करने निकले।

संपादकीय

भाजपा की रणनीति ने विपक्षी एकता को पहुंचाई बड़ी चोट

शरद पवार की 50 साल से ज्यादा लंबी सियासत है, राजनीति का हर दांव-पेच उन्हें बखूबी आता है। तभी तो कई मौकों पर बड़े खेल 'साहेब' ने करके दिखाए हैं। लेकिन अब समय बदल गया है। एक जमाने का गुगली मास्टर अब एक विक्टिम है। विक्टिम उस सियासत का जहां पर पद की महत्वाकांक्षा ने पार्टी में ही दो फाड़ करवा दी है, कई सालों बाद महाराष्ट्र में खिसकती सियासत का अहसास करवा दिया है। माना जा रहा है कि पटना में जिस विपक्षी एकता की पहली नींव रखी गई थी, शरद पवार के साथ हुए इस सियासी खेले ने जमीन पर सबकुछ बदल दिया है। आलम ये है कि अजित के एक दांव ने बीजेपी की नई रणनीति एकदम साफ कर दी है। क्षेत्रीय पार्टियों को तोड़ना, उन्हें अपने पाले में लाना और एनडीए को फिर मजबूती प्रदान करना। इस समय इसी मिशन के साथ बीजेपी 2024 के लिए आगे बढ़ रही है। वैसे भी जिस तरह से पहले शिवसेना में दो फाड़ की गई, उसे देखते हुए माना जा रहा है कि बीजेपी हर कीमत पर खुद को 2024 से पहले फिर मजबूत करना चाहती है। अटकलें तो ये भी हैं कि बिहार में कुछ खेल हो सकता है। ऐसा इसलिए क्योंकि खबर है कि नीतीश आने वाले समय में तेजस्वी को बिहार का मुख्यमंत्री बनवा सकते हैं। इस डील से जेडीयू के ही कुछ नेता खुशन हीं हैं। ऐसे में बीजेपी वहां भी उस नाराजगी का फायदा उठा सकती है। बीजेपी के एक नेता ने तो यहां तक कह दिया है कि अगर घी टेढ़ी उंगली से भी ना निकले तो डिब्बे में ही छेद कर देना चाहिए। यानी कि पार्टी एक तरफ विपक्ष को एकजुट होने से रोक रही है तो वहीं दूसरी तरफ अपने कुनबे को बढ़ा करने का प्रयास कर रही है। अब बीजेपी तो पूरी तरह तैयार दिख रही है, लेकिन शरद पवार का खेल अभी भी ठीक तरह से नहीं समझा जा सकता है। सवाल कई उठ रहे हैं, लेकिन जवाब अभी स्पष्ट नहीं। ये लाजिमी सवाल है कि क्या शरद पवार ने खुद भी पार्टी में दो फाड़ होने दी? ऐसा इसलिए क्योंकि ये बात किसी से नहीं छिपी कि पवार, अपनी बेटी सुप्रिया सुले को आगे करना चाहते थे, ऐसे में अजित को हटा रास्ता साफ हो रहा है। बड़ी बात ये भी है कि अजित पवार का एनसीपी में दो फाड़ करना किसी को भी हैरान नहीं किया है। इसका कारण ये है कि अजित का वो दांव आना तय था, बस कब, सवाल ये था। शरद पवार ने जो इस्तीफे वाला दांव चला था, जानकार मानते हैं वो भी अजित का टेस्ट लेने के लिए था। उन पर ईडी के मामले थे, सीएम बनने की चाह थी, ऐसे में वे पाला बदल सकते थे। अब तो ऐसा हो भी चुका है, लेकिन विवाद इतना ज्यादा बढ़ गया है कि शरद पवार को गुगली मास्टर नहीं माना जा सकता, वे वर्तमान स्थिति में पीड़ित ज्यादा दिखाई पड़ते हैं। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

बगावत...

सुप्रिया सुले ने घटनाक्रम पर टिप्पणी करने के लिए अभी और इंतजार करने की बात कही और कहा कि अजित पवार के साथ गए विधायकों से वह संपर्क में हैं। सुप्रिया एनसीपी प्रमुख शरद पवार की बेटी और अजित पवार की चचेरी बहन हैं। उन्हें 10 जून को एनसीपी का कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया था। सुप्रिया सुले ने रविवार को मुंबई में प्रेस कॉन्फ्रेंस में अजित पवार के मुद्दे पर कहा, ''बच्चा अभी पैदा हुआ है, सांस लेने दीजिए, आगे देखिए, क्या होता है।'' एनसीपी नेता ने कहा, इस घटना को लेकर अब तक 24 घंटे भी नहीं हुए हैं। इसीलिए कुछ नहीं कह सकते हैं। समय बीतने दीजिए तब पता चलेगा कि क्या हुआ है। उन्होंने कहा, जो विधायक अजित पवार के साथ गए हैं, मैं उनसे अभी भी संपर्क में हूं। कल भी मेरी उनसे बात हुई और आगे भी उनसे बात करूंगी। क्या सुप्रिया सुले अजित पवार का समर्थन कर रही हैं? यह पूछे जाने पर एनसीपी नेता ने कहा, मैं ऐसा नहीं कर रही हूं। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उन्होंने कहा, मेरे ऊपर भी जिम्मेदारी आई है। उन्होंने कहा, जो कुछ भी हुआ वह दुखद है। शरद पवार ने सभी के साथ एक परिवार की तरह व्यवहार किया और वह हमारे वरिष्ठ नेता हैं। उनकी प्रतिक्रिया थी कि हम एक लोकतांत्रिक देश में रह रहे हैं, जहां हर किसी को अपनी बात कहने और अपनी बात रखने का अधिकार है। अजित पवार का यह कदम उनका अपना फैसला है। अजित पवार के साथ मेरा रिश्ता नहीं बदलेगा, वह हमेशा मेरे बड़े भाई रहेंगे। सुप्रिया सुले ने कहा, एनसीपी के अंदर कभी भी नफरत या कोई गलतफहमी नहीं थी। अजित पवार के विचार अलग थे और हमारे अलग हैं। हम अपने सभी विधायकों का सम्मान करते हैं। मैं हमेशा पार्टी कार्यकताओं और नेताओं से बात करती हूं। सुप्रिया सुले ने कहा, अजित हमेशा मेरे भाई रहेंगे। अजित के लिए मेरे मन में हमेशा प्रेम रहेगा। भावनात्मक रूप से भी हमारा एक कनेक्शन था। उनके और मेरे बीच जो बात हुई है वो सिर्फ मुझे और उन्हें पता है। उनके और मेरे बीच कभी भी पर्सनली कोई विवाद नहीं हो सकता है। आगे चलकर हम दोनों में कोई ऐसी बात नहीं होगी जिससे हमारे बीच बात बिगड़े। हम अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ को अलग रखते हैं। उन्होंने कहा, इस घटना को केवल 12 घंटे हुए हैं, अब तक कोई समाधान बाहर नहीं आया है। पूरी कहानी बाहर नहीं आई है। जब तक पूरी कहानी बाहर नहीं आती, मैं कुछ नहीं कहना चाहती हूं। उन्होंने यह भी कहा कि अजित ने जो किया, उसकी उन्हें जानकारी नहीं थी। पत्रकारों के सवालों के जवाब देते हुए उन्होंने कहा, एक चीज पवार साहब दो-तीन बार बोले कि हम इस सबमें नहीं फसेंगे, हम सीधे लोगों तक जाएंगे, लोगों से बात करेंगे। महाराष्ट्र और देश की जनता तय करेगी। उन्होंने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव को लेकर बीजेपी ने यह कदम उठाया है। 2024 को लेकर बीजेपी में आत्मविश्वास की कमी है। उन्होंने कहा कि अगले दो-तीन दिनों में तस्वीर साफ हो जाएगी।

श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर एसएफएस का चार दिवसीय वार्षिकोत्सव भक्ति भाव के साथ संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर एसएफएस मानसरोवर मंदिर प्रबंध समिति द्वारा मंदिर जी का 33 वां स्थापना दिवस गुरुवार दिनांक 6 जुलाई 2023 से 9 जुलाई 2023 तक चार दिवसीय वार्षिकोत्सव धूमधाम से सआनंद संपन्न हुआ। प्रातः नितनियम अभिषेक शांतिधारा बोली से प्रारंभ की गई जिसमें प्रथम बोली कासलीवाल प्रॉपर्टी से नरेंद्र चांदवाड अशोक कासलीवाल परिवार ने प्राप्त की । भगवान महावीर स्वामी की शांति धारा सुमति प्रकाश मंजू काला, पारसनाथ भगवान की मनोज रजनीकांत लुहाडिया, पांडुक शिला पर विराजमान आदिनाथ भगवान की कुणाल काला परिवार को शांति धारा करने का अवसर प्राप्त हुआ। पश्चात मंदिर जी के तीनों शिखर पर विराजमान एवं मंदिर जी जिन बंब में विराजमान सभी प्रतिमाओं के अभिषेक कर पुण्यार्जन किया। मूलनायक वेदी पर विराजमान आदिनाथ भगवान पर पारस विनय पापड़ीवाल,पदम प्रभु भगवान महेश अल्पना कासलीवाल, चंदाप्रभु भगवान सुरेंद्र सुनीता जैन परिवार, वासुपूज्य भगवान इंद्र प्रभ मृदुला परिवार, पारसनाथ भगवान पर लाल चंद सन्मति परिवार द्वारा नए छत्र लगाकर पुण्य लाभ प्राप्त किया। दोपहर मेंआचार्य श्री विशद् सागर जी द्वारा रचित आदिनाथ विधानमंडल पूजा मंडल पर साज बाज से पूजा पंडित मिलाप चंद सोगानी एवं संगीतकार सवाई माधोपुर के ललित जैन द्वारा भक्ति के साथ करवाई गई। मंडल पर मुख्य कलश स्थापन करता मिलाप चंद ललिता सोगानी परिवार, सोधर्म इंद्र कलश स्थापन कर्ता बाबूलाल राजेश कमलेश पांड्या परिवार, महायज्ञ नायक कलश स्थापन कर्ता ज्ञानचंद सुधीर प्रतिभा पाटनी परिवार,महा पुण्यवचन कलश ताराचंद ललिता देवी परिवार, मंडल पर जिनवाणी स्थापित कर्ता सुमति प्रकाश मंजू काला परिवार, मंडल पर ध्वजा आरोहण कर्ता संतोष पुत्र अविनाश जैन परिवार मंडल उद्घाटन कर्ता अनिल अनीता कासलीवाल जैन नमकीन वाले, कुबेर इंद्र वीरेंद्र नीता गदिया परिवार, मंडल पर दीप प्रज्वलन कर्ता अजय नीलिमा काला परिवार, ईशान इंद्र नरेंद्र मीना शाह बारा वाले, शातेंद्र इंद्र विनोद इंदिरा सोगानी, माहेंद्र इंद्र दिनेश संजू बनेठा वाले,महेंद्र इंद्र भागचंद राजकुमार कासलीवाल परिवार, लातंव इंद्र संजय मनीषा पाटनी शुक्र इंद्र

श्रीमती माया, दीपक सोगानी सत्तार इंद्र अजय नीता जैन ,अतार इंद्र अभिषेक सजना जैन,प्रांत इंद्र सुरेंद्र बबीता पाटनी, आरण इंद्र लाल चंद किरण झांझरी, अच्युत इंद्र श्रीमती पुष्पा अशोक

रोहित कासलीवाल, ब्रह्मेंद्र इंद्र भागचंद कुसुम पाटनी को बनने का सौभाग्य मिला। सभी इंद्र द्वारा मंडल पर अर्ध चढ़ाए गए । अध्यक्ष राजेश काला, मंत्री सोभागमल जैन ने बताया कि सायंकाल 7:30 महा आरती के साथ चार दिवसीय कार्यक्रम का समापन हुआ।

महावीर स्कूल में नैतिक शिक्षण शिविर का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री महावीर दिगम्बर जैन उच्च माध्यमिक विद्यालय प्रांगण में श्री महावीर दिगम्बर जैन शिक्षा परिषद के दिशा निर्देशन में सोमवार को 6 दिवसीय नैतिक शिक्षण शिविर का उदघाटन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि महोदय माननीय किरण प्रकाश जी जैन श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर), परमात्म प्रकाश भारिल्ल, संस्था मानद मंत्री श्री सुनील बख्शी, कोषाध्यक्ष श्री महेश काला महावीर स्कूल की आचार्या श्रीमती रेनू गोस्वामी एवं महावीर पब्लिक स्कूल की आचार्या श्रीमती सीमा जैन द्वारा मां सरस्वती एवं भगवान महावीर की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया। शिक्षा परिषद के मंत्री महोदय एवं कोषाध्यक्ष महोदय ने मुख्य अतिथि का माल्यार्पण कर स्वागत किया। संस्था के मानद मंत्री श्री सुनील बख्शी ने अपने स्वाग तोदगा में शिविर का परिचय देते हुए बताया कि संस्था में विगत 20 वर्षों से पूर्व अध्यापिका स्वर्गीय श्रीमती कौशल्या देवी जैन की स्मृति में यहां शिविर चलाया जा रहा है।मुख्य अतिथि महोदय ने अपने आशीर्वचन में विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि नैतिक शिक्षा प्राप्त करने वाला छात्र अपना भविष्य उज्जवल बनाने के साथ राष्ट्र के निर्माण में भी अपना अहम योगदान देता है। कार्यक्रम के अंत में संस्था के कोषाध्यक्ष श्री महेश काला ने आगंतुकों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. शीला जैन ने किया।

मंत्रोचारण के मध्य भगवान महावीर हुए वेदी पर विराजमान

अंबाह में वेदी प्रतिष्ठा-जिनबिम्ब स्थापना समारोह संपन्न

मनोज नायक. शाबाश इंडिया

अंबाह। महावीर जिनालय में विधिविधान पूर्वक मंत्रोचारण के साथ भगवान महावीर स्वामी को नवीन वेदी पर विराजमान किया गया ।इसी के साथ वेदी प्रतिष्ठा एवम श्री जिनबिम्ब स्थापना का दो दिवसीय समारोह विभिन्न धार्मिक आयोजनों के साथ संपन्न हुआ। दो दिवसीय वेदी शुद्धि एवम जिनबिंब स्थापना महामहोत्सव के तहत बड़े धूमधाम से महावीर जिनालय चुंगी नाका अंबाह में आयोजित किया गया।जिसमे सैकड़ों की संख्या में जैन समाज के लोग उपस्थित रहे।प्रातः भगवान महावीर स्वामी के अभिषेक पूजन के पश्चात याग मंडल विधान और विश्व शांति महायज्ञ किया गया। भगवान महावीर की तीनों ही मूलनायक प्रतिमाओं को नवीन बेदी पर विराजमान किया गया। सुबह से ही जैन समाज के लोगों का मंदिर में भीषण गर्मी में भी दर्शन, पूजा के लिए तांता लगा रहा। ज्ञातव्य हो कि 2021 में आचार्य विनम्र सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में पंचकल्याणक महोत्सव हुआ था । जिसके ऊपरी तल पर नवीन बेदी शुद्धि करने के उपरांत पंडित मुकेश शास्त्री के सानिध्य में प्रतिमा स्थापित की गई।इस अवसर प्र मुरारी लाल जैन, राजेंद्र जैन, अंतराम जैन, पवन जैन, शिवदयाल जैन, महावीर प्रसाद जैन, विमल शास्त्री, नीलेश जैन, पिंकी जैन, प्रदीप जैन प्रीति, मुकेश शास्त्री, नरेश जैन, शैंकी जैन, राकेश जैन, सौरभ जैन, विजय अन्नू जैन, राकेश जैन बर्फ वाले, बंटी जैन, कपिल जैन सहित सैकड़ों की संख्या में साधर्मी बंधु उपस्थित रहे। कार्यक्रम के उपरांत सभी के लिए वात्सल्य भोज की व्यवस्था की गई थी।

राष्ट्रीय निबंध प्रतियोगिता के मेधावी हुए पुरस्कृत

पुरस्कार से मिलती है नई ऊर्जा। तीन समूहों में आयोजित हुई थी राष्ट्रीय प्रतियोगिता

ललितपुर. शाबाश इंडिया

श्रमण रत्न सुप्रभ सागर जी महाराज, श्रमण रत्न प्रणत सागर जी महाराज की प्रेरणा व सान्निध्य में श्रुत पंचमी के अवसर पर राष्ट्रीय निबंध प्रतियोगिता का आयोजन उत्कर्ष समूह व पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव जुन्नारदेव के तत्वावधान में किया गया था। प्रतिभागियों को मात्र 9 दिनों की अवधि में निबंध लिखकर भेजना था। प्रतिभागियों ने भारी उत्साह दिखाया और तीनों समूह में 9 राज्यों से 176 निबंध प्राप्त हुए। सभी प्रतिभागियों ने निर्धारित विभिन्न विषयों पर बहुत ही अच्छे ढंग से , चिंतन-मनन और श्रम पूर्वक निबंध लिखे। प्रतियोगिता के निर्देशक/संयोजक डॉ. सुनील जैन संचय ललितपुर ने बताया कि सभी विजयी प्रतिभागियों को उज्जैन के ऋषिनगर में श्रमण रत्न सुप्रभ सागर जी महाराज, श्रमण रत्न प्रणत सागर जी महाराज (ललितपुर नगर गौरव) के सान्निध्य में पुरस्कृत किया गया। त्रिस्तरीय निर्णायक मंडल की अनुशंसा पर निबंध प्रतियोगिता का परिणाम घोषित गया था। उज्जैन में आयोजित पुरस्कार समर्पण समारोह में सभी को सम्मानित किया गया। इस मौके पर मुनि श्री सुप्रभ सागर महाराज ने अपने संबोधन में कहा कि प्रतिभाओं का सम्मान करना एक अच्छी परंपरा है। इससे दूसरों को प्रेरणा मिलती है तो समाज को टेलेंट मिलता है। प्रतिभाएं देश की धरोहर हैं उनको प्रोत्साहित करना हमारा कर्तव्य है जो पुरस्कृत होते हैं उनका उत्साहवर्धन होता है तथा अन्य लोगों को प्रेरणा मिलती है। मेधावियों को पुरस्कार से नई ऊर्जा मिलती है। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज के चित्र अनावरण व दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। संचालन प्रतियोगिता के संयोजक/निर्देशक डॉ सुनील जैन संचय ललितपुर ने किया। इस मौके पर प्रतियोगिता के परामर्श मंडल के ब्र. साकेत भैया जी, राजेन्द्र 'महावीर' सनावद, पंडित अखिलेश जैन शास्त्री तथा प्रतियोगिता आयोजन समिति के राजेश जैन गुड्डू, जितेंद्र जैन आकांक्षा, दिलीप जैन एवं उज्जैन जैन समाज के प्रमुख पदाधिकारी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

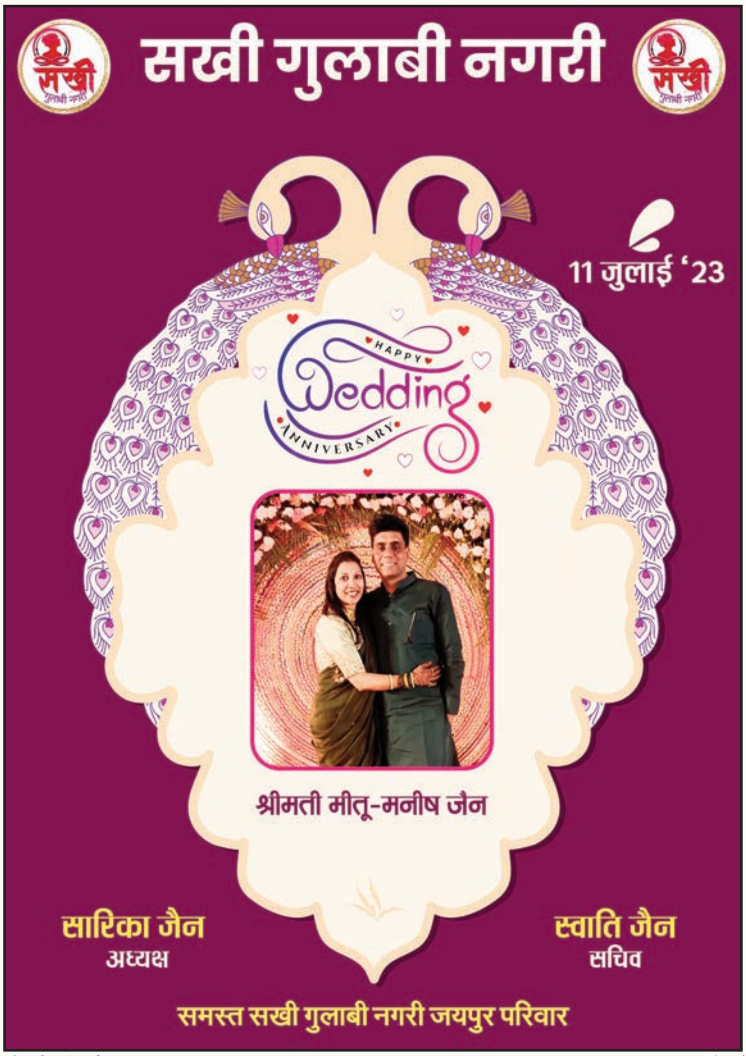

श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर 10वी स्कीम जैन समाज ने दिया बालिका शिक्षा को प्रोत्साहन

श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर को भेंट किया एक बालिका की शिक्षा का वर्ष पर्यंत का खर्च

जयपुर. कासं। 1008 श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर 10-बी स्कीम गोपालपुरा बायपास जयपुर द्वारा जैन समाज के ''श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर'' द्वारा संचालित श्री सुधासागर बालिका छात्रावास की एक बालिका को गोद लेकर उसका वर्ष पर्यन्त का संपूर्ण व्यय 1,00,000/- रुपए भेंट करने का निर्णय लिया। यह संपूर्ण राशि 10-बी जैन समाज के सहयोग से एकत्र कर रविवार दिनांक 9 जुलाई 2023 को श्रमण संस्कृति संस्थान के कार्यालय में भेंट की गई। इस अवसर पर वहां निमार्णाधीन बालिका छात्रावास के नवीन भवन का भी अवलोकन किया। उल्लेखनीय है कि नवीन भवन का लोकार्पण 14 जुलाई को भव्य समारोह में किया जायेगा।

श्रद्धा के सागर में समयक दर्शन का कमल खिलता है: आचार्य सौरभ सागर

जयपुर. शाबाश इंडिया। शहर के प्रताप नगर सेक्टर 8 दिगंबर जैन मंदिर में चल रहे आचार्य सौरभ सागर महाराज के चातुर्मास के दौरान सोमवार को अपनी प्रवचन श्रृंखला के आठवें दिन आचार्य सौरभ सागर ने कहा कि श्रद्धा के अभाव में मनुष्य श्रावक नहीं बन पाता। जिस प्रकार हेंडिल के अभाव में साईकिल कार्यकारी नहीं होती, उसी प्रकार श्रद्धा के अभाव में श्रावकपना कार्यकारी नहीं होता श्रद्धा और विश्वास में काफी अंतर होता है। श्रद्धा स्थाई होती है और विश्वास क्षन्कि होता है। विश्वास इच्छापूर्ति की कामना करता है। अपने मन के अनुसार आराध्य का चलने की इच्छा जाहिर करता है, पर श्रद्धा कामना से रहित होती है और आराध्य के अनुसार चलने की कोशिश करती है। विश्वास लहर के समान होता है, जो किनारे पर आकर समाप्त हो जाता है, श्रद्धा सर्वांगीण होती है और विश्वास एकाकी होता है। श्रद्धा के सागर में ही समयक दर्शन का कमल खिलता है, विश्वास की लहरों में नही। आचार्य श्री ने कहा कि सम्यक दर्शन प्राप्त करने के लिए जिन प्रतिभा के दर्शन करने चाहिये। देवाधिदेवों की प्रतिमा के दर्शन से आत्मा की प्रतिभा जागृत करने का भाव उत्पन्न हो जाता है। देवाधिदेवों की प्रतिमा आत्म निकेतन है, परम सुख की सरिता है, आत्म दर्शन का दिव्य दर्पण है, चेतना शक्ति का प्रदायक है, स्व स्वरूप प्राप्ति का प्रेरणा केंद्र है। परमात्मा दर्शन की आकांशा उपवास का फल देती है और साक्षात भावपूर्ण दर्शन करोड़ उपवास का फल प्रदान करती है। आत्मिक शक्ति व सम्यक दर्शन प्राप्ति हेतु परमात्मा की प्रतिमा का अवलोकन करें और आत्म प्रतिभा को जागृत करें।

रक्तदान शिविर एवं निःशुल्क परामर्श शिविर आयोजित

मालपुरा, टोंक. शाबाश इंडिया

प्रियंका हार्ट केयर फाउंडेशन सोसायटी के डॉ. जी.एल. शर्मा (डायरेक्टर जयपुर हार्ट इंस्टीट्यूट ,लाल कोठी जयपुर) एवं श्री अग्रवाल समाज चौरासी के संयुक्त तत्वावधान मे स्व. श्रीमति भूली देवी धर्मपत्नी श्री बद्री लाल जी जोशी की तृतीय पुण्यतिथि पर विशाल रक्तदान शिविर एवं निःशुल्क परामर्श शिविर दिनांक 09 जुलाई 2023 को मालपुरा (टोंक) जयपुर में आयोजित किया गया। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी व्यापार प्रकोष्ठ आदर्श नगर विधानसभा के संयोजक व प्रमुख समाज सेवी प्रमोद जैन भँवर व विभिन्न अन्य सहयोगी संस्थाओं का भी उनके विशेष सहयोग के लिये सम्मान किया गया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतु का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादक: राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

महिला जैन मिलन द्वारा आयोजित संगोष्ठी प्लास्टिक थैली, हमारे लिए हानिकारक

मनीष विद्यार्थी. शाबाश इंडिया

सागर। महिला जैन शाखा क्रमांक 10 नेहानगर, द्वारा प्लास्टिक के उपयोग से होने वाली हानि विषय पर संगोष्ठी आयोजिन किया गया ।संगोष्ठी की अध्यक्षता वीरांगना अनीता जैन की। मंगलाचरण नन्हे-मुन्ने बच्चों द्वारा किया गया । प्लास्टिक हानिकारक क्यों ? विषय पर सभी वीरांगनाओं ने अपने-अपने विचार व्यक्त किए। प्लास्टिक का उपयोग आज के समय में हर जगह पर किया जा रहा है हमें बाजार से सब्जी लेने जाना है या फिर घर की कोई भी सामग्री लेने जाना है, जैसे किराना आदि तो हम प्लास्टिक पॉलिथीन का उपयोग करते हैं, इसके ज्यादा इस्तेमाल करने से प्रकृति को बहुत ज्यादा नुकसान होता है। हम सब जानते हैं कि प्लास्टिक कभी भी सड़ता नहीं है, बल्कि यह जमीन पर फेंक देने से यह जमीन के नीचे जाकर मिट्टी में दब जाता है, ऐसा होने से पेड़ पौधों को बहुत नुकसान पहुंचता है। प्लास्टिक की पॉलीथिन जानवरों के द्वारा खा लेने से उनकी मृत्यु तक हो जाती हैं, यदि इस प्लास्टिक को जलाया जाए तो भी यह प्रदूषण फैलाता है। इसीलिए इस से अच्छा है कि हम प्लास्टिक का इस्तेमाल करना बंद कर दें, और पॉलिथीन के उपयोग पर पाबंदी लगाएं इसके लिए हमें अपने घर से शुरूआत करनी होगी। सभी वीरांगनाओं ने कहा कि हम कोशिश करेंगे कि अपने साथ कपड़े का थैला लेकर चले। उपस्थित सभी वीरांगनाओं ने अपने घर से अभियान को शुरू करने की बात कही। संगोष्ठी में उपस्थित क्षेत्रीय संयोजिका वीरांगना अनीता जैन पूर्व अध्यक्ष, वीरांगना किरण जैन कोषाध्यक्ष, वीरांगना संध्या जैन सचिव, वीरांगना हिमांशी जैन अध्यक्ष, वीरांगना ऋतु जैन,उपाध्यक्ष वीरांगना ज्योति जैन ,वीरांगना शालिनी जैन ,वीरांगना नीता बड़कुल , वीरांगना पियूष जैन आदि शामिल रहे।

सब कुछ छोड़कर जो भगवान के भजन में लग गया उसका कल्याण निश्चित हैं: आचार्य श्री

आचार्य परम्परा के कलशों की स्थापना हुई

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

सब कुछ छोड़ कर जो भगवान के भजन में लग गया उसका कल्याण निश्चित होता हैं। चाह गई चिंता मिटी मनवा हुआ बेपरवाह जिसकी चाहत इच्छाये खतम हो जाती है वह निश्चित हो जाता है सहज हो जाता है मन में कोई सल्य नहीं रहती वह खुशी खुशी सुख पूर्वक जीवन व्यतीत करने लगता इसलिए आप सब लोग बे अर्थ की चिंताओ को छोड़कर धर्म ध्यान किया करे उक्त आश्य के उद्गार सुभाषगंज मैदान में धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए आचार्य श्री आर्जव सागर जी महाराज ने व्यक्त किए।

आर्जव वाणी के विशेषांक का हुआ लोकार्पण

परम पूज्य आचार्य श्री आर्जव सागर जी महाराज के प्रवचनों विशेष उद्बोधन सहित समाजिक धर्मिक गतिविधियों को पुस्तक रूप दे विशेषंक के रूप में भोपाल से पहुंचे भक्तो दारा प्रकाशित आर्जव वाणी विशेषंक का विमोचन जैन समाज के अध्यक्ष राकेश कासंल, महामंत्री राकेश अमरोद, कोषाध्यक्ष सुनील अखाई, मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा के साथ बाहर से पधारे अतिथियों द्वारा किया गया । इसके बाद अतिथियों ने प्रथम पुस्तिका आचार्य श्री को भेट की। मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने बताया कि कल ही आचार्य श्री द्वारा प्रातः काल द्रव्य संग्रह पर विशेष कक्षा प्रारंभ की जा रही है । वहीं बच्चो के लिए कंठ पाठ प्रतियोगिता कि जा रही है जो चार माह चलेगी और पिच्छिका परिवर्तन के समय सर्वप्रथम आने वाले परीक्षार्थियों को सम्मानित किया जाएगा।

आचार्य परम्परा के नाम से हुए कलश स्थापित

आचार्य श्री आर्जवसागर जी महाराज की प्रेरणा से मूल आचार्य परम्परा के नाम से प्रमुख पांच कलशो के बाद कलश स्थापित किए गए जो रत्नत्रय कलश आचार्य शाँति सागर कलश अशोक कुमार दिलीप कुमार अजित कुमार बरोदिया, आचार्य ज्ञान सागर कलश केवल चंद मनोज कुमार भैसरवास, आचार्य श्री विद्यासागर कलश पदमकुमार सौरभकुमार बाझल, इसके बाद विशेष अन्य दो मुख्य कलश सुनीलकुमार अथाई परिवार, रविकांत कांसल परिवार के साथ ही प्रमुख कलशो को मन्दिर की वेदी पर मनोज रन्नौद राकेश अमरोद राजेश कक्का धर्मेन्द्र रोकड़िया मनोज धुर्रा के परिवार जनों ने अन्य कलशो के साथ स्थापना की।

विनय से भरे व्यक्ति ऊंचाईयों को प्राप्त करते हैं

शिष्य भी पूज्य पुरूषो के पास विनय से भरकर जातें हैं विनय से भरे व्यक्ति ऊंचाईयों को प्राप्त करते हैं ॐ को सभी धर्मो में श्रेष्ठ जेष्ठ माना गया है आप प्रातः काल उठकर ओम का नाद करे। आपका दिन बहुत अच्छे से वीतेगा ओम जय जय के साथ दिन प्रारंभ हो ओम की महिमा को प्राणायम के माध्यम से ध्यान करायेंगे पहले ध्यान की प्रक्रिया को समझगे फिर ध्यान की ओर बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि जो संसार के सारे वैभव को देने वाला है ऐसे ओम को अपने जीवन में लाए हर कार्य ओम से प्रारंभ होता है मंगल हमारे पापों को गलाने वाला है प्रातः काल की वेला में हम मंगल भी करते हैं मंगल करने से सब दंगल दूर हो जाते हैं, प्रभु चरणों में झुकते हैं तो मान कषाय नष्ट हो जाती है तीन वार नमन करते हैं आप मूल्य वान वस्तु को समर्पित करते तो क्या वोलते है अनर्घ्य पद प्राप्त करने की भावना से साथ चढ़ाया जाता है। सभा का संचालन युवा वर्ग संरक्षण शैलेन्द्र श्रागर ने किया।

एलटी फूड्स की मीट में पहुंचे 400 से अधिक रिटेलर

एलटी फूड्स की मीट में पहुंचे 400 से अधिक रिटेलर

जयपुर. शाबाश इंडिया। 1981 से भारत की चावल निमार्ता कंपनी एलटी फूड्स लिमिटेड जो दावत ब्रांड से अपनी उच्च गुणवत्ता के चलते आज लोगों के बीच अपनी खास पहचान बना चुकी है। इस कंपनी की रिटेलर मीट आज सरदार पटेल मार्ग स्थित होटल होली-डे इन में सम्पन्न हुई। इस मौके पर कंपनी के सीईओ रितेष अरोड़ा ने कंपनी के नए उत्पाद बिरयानी कप्पाराइस व बिरयानी किट की लॉचिंग की। इस रिटेलर मीट में जयपुर के डिस्ट्रीब्यूटर के साथ करीब 400 के आसपास रिटेलरों ने भाग लिया। इस अवसर पर कपनी के सीईओ रितेष अरोड़ा ने बताया कि 7 हजार करोड का वार्षिक टर्न ओवर वाली यह कंपनी वर्तमान में भारत के अलावा 90 देशो में चावल का निर्यात कर रही है। कंपनी के पूरे भारत में करीब 1 हजार से अधिक डिस्ट्रीब्यूटर है। भारत के हर हिस्से में कंपनी के प्रोडक्ट की सप्लाई है। उन्होंने बताया कि कंपनी के उत्पाद आज भी लोगों के भोजन का जायका बढ़ाते है। उच्च क्वॉलिटी का उत्पाद उपभोक्ताओं तक पहुंचाना कंपनी का एकमात्र ध्येय है। मीट को संबोधित करते हुए नॉर्थ इंडिया प्रमुख प्रशांत ग्रेवाल ने सभी आगुंतकों का स्वागत करते हुए वर्तमान में चल रही ओमेगा गोल्ड लाडफ स्कीम के तहत कई रिटलर्स को आकर्षक पुरस्कार वितरित किए। इन पुरस्कारों में प्रमुख पुरस्कार मोटर साइकिल के रूप में नेषनल सुपर मार्ट वैषाली नगर को मिला। इसके अलावा अन्य आकर्षक पुरस्कार भी रिटेलर पाकर खुष नजर आए। इस मौके पर राजस्थान के एएसम ने बताया कि वर्तमान में 50 डिस्ट्रीब्यूटर के माध्यम से उपभोक्ताओं के बीच दावत ब्रांड क नाम से अपना उत्पाद राजस्थानियों के बीच घर-घर पहुंचा रही है। मीट के मध्य कॉमेडियन गौरव गुप्ता ने हास्य पुखंडियों से उपस्थितजनों को खूब गुदगुदाया। अंत में डिस्ट्रीब्यूटर रतन कुमार ऐलानी,कुंज बिहारी गोयल ने उपस्थितजनों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

जैन सोशल ग्रुप अप टू डेट द्वारा गायों को चारा खिलाया

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन सोशल ग्रुप अप टू डेट द्वारा दिनाक 9 जुलाई रविवार को मानसरोवर स्थित टेउराम गौशाला में गौ सेवा का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। ग्रुप अध्यक्ष ज्ञान चंद एवं सचिव विवेक कासलीवाल ने बताया कि ग्रुप द्वारा यह कार्यक्रम हर महीने के दूसरे रविवार को किया जाता हैं। कार्यक्रम के पुण्यार्जक पंकज सीमा सोगानी रहे। इस दौरान ग्रुप के संरक्षक डॉ राजीव जैन उपाध्यक्ष विकास जैन, कोषाध्यक्ष निर्मल जैन, पी आर ओ जिनेन्द्र आशिमा, कविता, संजय सोनू, निशा शाह, ममता तेजकरण, नरेंद्र जैन सहित अनेक सदस्य मौजूद रहे।

रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ चार्टर डे सेलिब्रेशन

जयपुर. शाबाश इंडिया। रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ द्वारा दिनांक 9 जुलाई रविवार 2023 को क्लब का 14ई चार्टर डे सेलिब्रेशन बहुत ही शानदार तरीके से केक कटिंग करके मनाया गया। चार्टर डे सेलिब्रेशन के पश्चात सभी रोटेरियन मेंबर्स ने सुपरहिट लव स्टोरी सत्य प्रेम की कथा मूवी का आनंद उठाया। अध्यक्ष चंद्रकांत मित्तल ने बताया गया कि इस कार्यक्रम में लगभग 130 लोग उपस्थित थे। यह कार्यक्रम बहुत ही व्यवस्थित एवं सफल कार्यक्रम था। इस कार्यक्रम में क्लब सचिव अनिल जैन, पूर्व अध्यक्ष गोपाल मालपानी, संयोजक महेश मंगल, मनोज कुमावत, धीरज मदान, मनीष गुप्ता, नवीन काला, हार्दिक जैन, ज्योति भारद्वाज, अनीता जैन एवं पुनीत कोठारी प्रवीण अग्रवाल संजय पाटनी पीआरओ सुनीता जैन आदि गणमान्य लोगों की उपस्थिति में यह कार्यक्रम हुआ क्लब सचिव अनिल जैन ने सभी आए हुए अतिथियों को धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया।

वॉइस ऑफ जेएसजी के ऑडिशन संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

जे एस जी नॉर्दन रीजन के अंतर्गत वॉइस ऑफ जेएसजी 2023 के ऑडिशन यहां किंग स्टूडियो में संपन्न हुए। मुख्य संयोजक राजीव जैन ने बताया कि भारी बारिश के बावजूद 83 लोगों ने ऑडिशन दिए। समन्वयक सुदेश गोदिका एवं पवन पांड्या ने बताया कि इस अवसर पर कार्यक्रम का शुभारंभ राजकुमार , निर्मला जैन के साथ नॉर्दन रीजन के चेयरमैन महेंद्र सिंघवी, सचिव सिद्धार्थ, संस्थापक अध्यक्ष राकेश जैन, पूर्व चेयरमैन महेंद्र गिरधरवाल, सूर्य प्रकाश छाबड़ा, जी. पी. टोंग्या, मनीष झांझरी, संजय जैन, राजेंद्र ढाबरिआ, प्रदीप जैन एवं अन्य रीजन पदाधिकारियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस कार्यक्रम के होस्ट ग्रुप जेएसजी अरिहंत एवं जेएसजी जनक द्वारा प्रोग्राम को सुचारू रूप से संपन्न कराया गया।

भव्य समारोह में आचार्य श्री आर्जवसागरजी महाराज ने किया चातुर्मास स्थापित

जीवों पर करूणा करके संत वर्षावास में एक स्थान पर ठहर जाते हैं: आचार्य श्री

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

आचार्य श्री आर्जवसागरजी महाराज ने भव्य समारोह में अपने मंगल चातुर्मास की स्थापना मंत्रोच्चार के साथ की इस दौरान चातुर्मास का प्रथम कलश स्थापित करने का सौभाग्य पार्श्वनाथ मंदिर कमेटी के संयोजक प्रकाश चन्द्र मनोज कुमार रन्नौद दूसरा कलश पंचायत कमेटी के महामंत्री राकेश अमरोद को तीसरा कलश राजेश जैन कक्का को चातुर्मास कलश दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी कमेटी के उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र रोकड़िया पंचम कलश अशोक कुमार मनोज कुमार धुर्रा परिवार को रखने का सौभाग्य प्राप्त हुआ इस अवसर पर देशभर के भक्तो ने आचार्य श्री को श्री फल भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। समारोह के प्रारंभ में आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के चित्र अनवरण समाज के अध्यक्ष राकेश कासंल महामंत्री राकेश अमरोद कोषाध्यक्ष सुनील अखाई थूवोनजी अध्यक्ष अशोक जैन टींगू महामंत्री विपिन सिंघाई मंत्री विनोद मोदी कोषाध्यक्ष सौरव वाझल सहित अन्य भक्तों ने की वहीं दीप प्रज्जवन विधायक जजपाल सिंह जज्जी भइया नपा अध्यक्ष नीरज मनोरिया नेता प्रतिपक्ष रीतेश आजाद गौशाला के दिनेश मैदपुर प्रशुन प्रमोद मंगलदीप निर्मल मिर्ची राकेश लालाजी ने किया संगीत के साथ मंगलाचरण श्री विद्यासागर सर्वोदय पाठशाला की वेटियो ने नृत्य के साथ किया इस दौरान महिला मंडलो ने आचार्य श्री की पूजन के अर्घ समर्पित किए।

जिन क्षणों का इंतजार था वह घड़ी आ गई: विजय धुर्रा

समारोह का संचालन करते हुए मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने कहा कि जिन क्षणों की हम प्रतिक्षा कर रहे थे वह समय आ गया और आज सभी भक्तों की भावना साकार रूप लेने जा रही है कमेटी के महामंत्री राकेश अमरोद ने कहा कि हम सभी का अभिनन्दन करते हुए हार्षित हो रहे हैं कम समय में न

ई टीम ने बहुत काम किया है हम आचार्य श्री के पास जाते रहे और फिर हमें संघ के चातुर्मास का आशीर्वाद मिल गया।

आचार्य श्री के चातुर्मास का लाभ पूरे जिले को मिलेगा

विधायक जजपाल सिंह जज्जी ने कहा कि आचार्य श्री हम सब बहुत खुश हैं जैन समाज के साथ ही वर्षा काल के इन चार महीनों में सभी जिले वासियों को धर्म लाभ मिलेगा हम आपकी तपस्या में सहयोगी लनकर पुण्य लाभ लेने आते रहेंगे नया अध्यक्ष नीरज मनोरिया ने कहा कि नपा आपके चातुर्मास में हर प्रकार का सहयोग देगा और सभी लोग लाभान्वित होंगे।

समाज को चातुर्मास का इंतजार था जो पूरा हो गया: राकेश कासंल

समाज के अध्यक्ष राकेश कासंल ने कहा कि पुरी जैन समाज चातुर्मास का इंतजार कर रहे थे और आज हम बहुत आनंद मना रहे हैं पूरी समाज इस चातुर्मास का लाभ लेगी। इस दौरान शैलेन्द्र श्रागर के मधुर भजनों के साथ नमन भ इया ने कलश स्थापित करने वाले पात्रों का चयन किया जिसमें प्रथम कलश --प्रकाश चंद जी मनोज जी रन्नौद। दूसरा कलश श्री राकेश जी अमरोद विवेक जी अक्षयजी। तृतीय कलश राजेश जी कक्का पीलू जी कक्का(मैनपुर)। चतुर्थ कलश धर्मेंद्र जी मीनू सूर्यांश रोकड़िया। पंचम कलश कैलाश चंद जे अशोक जी मनोज जी धुर्रा। छठवा कलश दयोदय कलश--प्रकाश चंद जी मनोज कुर्मा जी रन्नौद ने नमन भ इया के मंत्रोच्चार के बीच किया। समारोह को संबोधित करते हुए आचार्य श्रीआर्जवसागर जी महाराज ने कहा कि परोपकार के लिए गाय दूध देती है वृक्ष पुष्प हमे फल देते हैं ये हमें पपरोपकार की शिक्षा दे रहा है वेफल दे कर हमसे कुछ भी वदले में नहीं चाहते नारियल उपर से कठोर दिखाई देता है लेकिन अंदर से बहुत नरम होता है ऐसे ही हमारे गुरु सब सहते हैं वाहर से कठोर दिखाई देते हैं और अन्दर नरम होते हैं।

विजय चोपड़ा चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा स्वर्गीय विजय चोपड़ा की 43 वी पुण्यतिथि पर पुष्पांजलि व सेवा कार्य किया

जोधपुर. शाबाश इंडिया

विजय चोपड़ा चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा स्वर्गीय विजय चोपड़ा की 43 वी पुण्यतिथि पुष्पांजलि व सेवा कार्य से मनाई। आज विजय चोपड़ा की स्मृति में श्री विजय चोपड़ा चैरिटेबल ट्रस्ट ने विजय चोपड़ा को श्रद्धांजलि अर्पित कर के इस पुनीत कार्य में शेरगढ़ के पूर्व विधायक बाबू सिंह राठौड़ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस मौके पर पूर्व प्रधान बाबू सिंह इंदा ट्रस्ट के अध्यक्ष पारसमल चोपड़ा, सचिव गुलाब चोपड़ा, अशोक चोपड़ा, अरुण चोपड़ा, सज्जन चोपड़ा, धनराज चोपड़ा तथा परिवार के सभी सदस्य व प्रेस से जुड़े हुए दानदाता व ट्रस्ट से सेवा लेने वाले कई अध्यापिका अध्यापक उपस्थित थे । इस मौके पर ट्रस्ट के अध्यक्ष पीएम चोपड़ा ने सुचेता कृपलानी शिक्षा निकेतन व कई स्कूलों में स्टेशनरी का सामान तथा नियमित रूप से राशन वितरित किए। अध्यक्ष पीएम चोपड़ा ने बताया कि हमारा ट्रस्ट विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्र में बालेसर, शेरगढ़, ओसियां आदि विभिन्न क्षेत्रों में स्कूलों में मेडिकल कैंप, पेड़ लगाने में, परिंदे लगाने में पशु पक्षियों को दाना वितरित करना आदि में लगा हुआ है इस मौके पर मुख्य अतिथि बाबूसिंह राठौड़ को साफा, मोमेंटो प्रदान कर स्वागत किया। इस मौके पर राठौड़ ने ट्रस्ट के सभी सदस्य से आह्वान किया कि कार्य और आगे बढ़ते रहें और शेरगढ़ तहसील में सेवा के काम में आपके ट्रस्ट को आगे रखें। ट्रस्ट के सचिव गुलाब चोपड़ा ने सभी का आभार जताया। इस मौके पर महेंद्रसिंह जो ट्रस्ट में पिछले 5 साल से कार्य कर रहे हैं उनका माला पहनाकर उनका सम्मान किया गया।

नेट-थियेट पर पारंपरिक लोक भजन

राधा बन गई जिलाधीश और ललिता पुलिस कप्तान, पकड़े गए कृष्ण भगवान

जयपुर. शाबाश इंडिया। नेट-थियेट कार्यक्रमों की श्रृंखला में आज पारंपरिक लोक भजन कार्यक्रम में भजन गायक शिव सिंह तवर ने अपनी मधुर वाणी से भजन की सरिता ऐसी प्रवाहित कि की लोग भक्ति में डूब गए। नेट-थियेट के राजेन्द्र शर्मा राजू ने बताया कि कलाकार शिव सिंह ने अपने कार्यक्रम की शुरूआत भक्ति में ध्यान लगा ले, तेरा जीवन सही सुधर जाएगा सुनाकर पारंपरिक लोक भजनों की शुरूआत की। इसके बाद भजन आंख खुली तो हमने देखा, खेत में रेत ही रेत, चिड़िया चुग गई सारा खेत और सोच ले रे प्राणी, फिर यह जन्म ना मिले, माया संग ना चले रे तथा नाना रे भांति नचायो, भक्तों ने मोहे नाना भाती नचायो जैसे भजन बड़े ही मनोभाव से गाकर कार्यक्रम को ऊंचाई दी फिर अंबे कृष्ण मिला दे अंबे कृष्ण मिला दे और अंत में जीवन मौत का खेल है बंदे, काहे का रोना धोना रे भजनों को बडे ही सुरीले अंदाज में प्रस्तुत कर सभी को मंत्रमुग्ध किया। इनके साथ तबले पर राजेंद्र डांगी ने असरदार संगतकर भजनों की इस सुरीली शाम को भक्तिमय बना दिया । संयोजक नवल डांगी तथा प्रकाश एवं कैमरा मनोज स्वामी एवं संगीत सागर गढवाल ने किया। मंच सज्जा अंकित शर्मा नोनू एवं जीवितेश शर्मा की रही।

राधा कृष्ण मंदिर में भागवत कथा का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। सूर्य नगर तारों की कूट टोंक रोड पर राधा कृष्ण मंदिर में आज भागवत कथा सुबह 10:00 बजे कलश यात्रा के साथ प्रारंभ हुई। कलश यात्रा का प्रथम कलश वरिष्ठ पत्रकार प्रवीनचंद्र छाबड़ा ने यजमान वधू को भेंट कर शुभारंभ किया। पंडित जी ने प्रवीण चंद्र छाबड़ा के तिलक लगाकर स्वागत किया। प्रथम दिवस व्यासपीठ से पंडित नंदकिशोर शर्मा ने भागवत कथा में शुकदेव प्राकट्य, भागवत महात्म्य ,भक्तों की कथा व धुंधकारी कथा का श्रवण कराते हुए बताया कि मानव मात्र को सत्कर्म करते रहना चाहिए सभी को अच्छे लोगों का साथ करना चाहिए तथा ज्ञान यज्ञ भागवत कथा श्रवण, दान, सत्संग तथा भगवत चिंतन रूपी सत्कर्म करते रहना चाहिए। भक्ति का वर्णन करते हुए बताया जहां कथा होगी व जहां भक्ति रहती है वहां भगवान अवश्य आएंगे। 10 जुलाई को 24 अवतारों की कथा ध्रुव कथा चरित्र सुनाई जाएंगे।